पारि–पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

हिन्दी में वैज्ञानिक लेखन एवं प्रस्तुतीकरण' विषय पर कार्यशाला का आयोजन

पारि – पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र प्रयागराज में हिन्दी पखवाड़ा के अन्तर्गत दिनांक 30.09.2019 को ''वैज्ञानिक लेखन एवं प्रस्तुतीकरण' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन प्रमुख डा0 संजय सिंह के निर्देशन में किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि प्रोफेसर शिवगोपाल मिश्र, अध्यक्ष विज्ञान परिषद प्रयागराज, विशिष्ट अतिथि के रूप मे डा0 दिनेश मणि, रसायन विभाग, इलाहाबाद विश्वविधालय, एवं डा0 अर्चना पाण्डेय, प्रमुख रसायन विभाग सी. एम. पी. कालेज प्रयागराज थे ।

कार्यशाला में केन्द्र प्रमुख ने सभी अतिथियों और उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया । दीप प्रज्वलन के साथ ही कार्यशाला का शुभारम्भ किया गया । कार्यक्रम की रूप रेखा आयोजक सचिव श्री अलोक यादव ने प्रस्तुत किया । डा0 दिनेश मणि 30 वर्षों से विज्ञान के लोकप्रियकरण में संलग्न रहे हैं । डा0 मणि ने कार्यशाला मे तकनीकी पक्षों की जानकारी दी। डा0 अर्चना पाण्डेय ने वैज्ञानिक लेखन के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हुये अवगत कराया कि वैज्ञानिक लेखन हेतु कठिन शब्दों का प्रयोग न करके सरल भाषा का प्रयोग करें जो सामान्य आदमी की समझ में आ सके।

मुख्य अतिथि प्रोफेसर शिवगोपाल मिश्र मासिक पत्रिका विज्ञान के संपादक भी हैं। विज्ञान परिषद विज्ञान लेखन को बढावा देने वाली संस्थाओं में 1913 से प्रयागराज की अग्रणी संस्था है, इस संस्था द्वारा 1915 से प्रकाशित मासिक पत्रिका विज्ञान' का देश व्यापी प्रसार रहा है । मुख्य अतिथि ने वैज्ञानिक लेखन की समस्याओं पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि इंटरनेट की मुख्य भाषा अंग्रेजी होने के कारण हिन्दी लेखन में विपरीत प्रभाव पड़ रहा है । अन्त में कार्यशाला की संयोजक डा0 अनिता तोमर ने धन्यवाद ज्ञापन दिया और अधिक से अधिक वैज्ञानिक लेख हिन्दी में प्रकाशित करने का आग्रह किया।

कार्यशाला में डा0 कुमुद दुबे, डा0 अनुभा श्रीवास्तव, डा0 सत्येन्द्र देव शुक्ला, श्री हरीश कुमार, श्री सियाराम, परियोजना सहायक हरी ओम शुक्ला, राज कुमार यादव, अमित कुमार कुशवाहा, विनय बाबू, प्रदीप कुमार विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहें।

कार्यशाला की कुछ झलकियाँ